

लोग हमसे कहते हैं आगे बढ़ो दुनिया कहाँ जा रही हैं ? हम कहते हैं चलो १४०० साल पहले चलते हैं। अहद-ए-नबवी की ठंडक लेने की कोशिश करते हैं तरक्की वहीं से मिलेगी। Let us go before १४०० years.

Saturday, August 22, 2020

بِسُمِ اللهِ الرَّحُلْنِ الرَّحِيْمِ

Publication S.N: 00000136

نورکے پیکر، تمام نبیول کے سَرُ وَرصلّی الله تَعَالیٰ عَلَیْهِ وَالِهِ وَسَلَّم کَا فرمانِ بابر کت

"جس شخص نے (کسی گھر کا) پر دہ اُٹھا کر اجازت سے پہلے اندر جھا نکا تو وہ الیں حدیر آ گیاجہاں پر آنااس کے لئے جائز نہ تھا اور اگر کسی نے اس کی آنکھ بھوڑ دی تو وہ رائیگاں گئی اور اگر کوئی شخص کسی دروازے کے پاس سے گزراجس پر پر دہ نہ تھا اور گھر میں موجود عورت پر اس کی نظر پڑگئی تو اس پر کوئی گناہ نہیں بلکہ گناہ گھر والوں پر ہے۔"

नूर के पैकर, तमाम निबयों के सरवर सल्लल्लाहु तआला अलैहि व आलिही वसल्लम का फरमान-ए-बाबरकत है :

"जिस शख़्स ने (किसी घर का) पर्दा उठा कर इजाज़त से पहले अंदर झाँका तो वो ऐसी हद पर आ गया जहां पर आना उस के लिए जायज़ ना था और अगर किसी ने इस की आँख फोड़ दी तो वो रायगां गई और अगर कोई शख़्स किसी दरवाज़े के पास से गुज़रा जिस पर पर्दा ना था और घर में मौजूद औरत पर उस की नज़र पड़ गई तो इस पर कोई गुनाह नहीं बल्कि गुनाह घर वालों पर है।'

जहन्नम में ले जाने वाले आमाल, जिल्द-2, स.581